बाबा तेरी प्रीत में | By Muskan Sharma

बाबा तेरी प्रीत में जोगी सा बन गया हूँ मैं
छोड़ के मोह माया तेरी चौखट पे आ गया हूँ मैं
बाबा तेरी प्रीत में .....

तेरा सुमिरन करने से मुझको
जन्नत का वो नूर मिले
नूर की लौ में खुशियां बरसे
मन की मुरादें ज़रूर मिले
तेरे दर से वो ही नूर लेने को आ गया हूँ मैं
बाबा तेरी प्रीत में .....

मेरे रोम रोम में तू है बसा
तेरे बिन जीवन है अधूरा
तेरी रेहमत का सारा है जहाँ
रोशन हो वहां अँधेरा
हर जनम तेरा साथ साई पाने को आ गया हूँ मैं
बाबा तेरी प्रीत में .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80%e0%a4%a4-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-muskan-sharma/